भारत – फिलीपींस संबंध

दोनों देशों के आजादी हासिल करने के शीघ्र बाद (फिलीपींस 1946 में आजाद हुआ भारत 1947 में आजाद हुआ) भारत और फिलीपींस ने 26 नवंबर 1949 को औपचारिक रूप से राजनयिक संबंध स्थापित किए। वर्ष 2009 में राजनयिक संबंधों के 60 साल पूरा होने का जश्न मनाया गया।

दोनों देशों के बीच संबंध सौहार्द्रपूर्ण हैं, हालांकि अभी तक पूरी क्षमता साकार नहीं हो पाई है। यह कहना उचित होगा कि अनेक समान मूल्यों एवं समानताओं, जैसे कि उपनिवेशवाद की खिलाफत, दक्षिण दक्षिण सहयोग, एक मजबूत लोकतांत्रिक शासन तंत्र, स्वतंत्र न्यायपालिका एवं प्रेस तथा बड़ा पैमाने पर अंग्रेजी भाषा का प्रयोग आदि के बावजूद दोनों देशों के बीच संबंध ऐसे हैं जिनका तुलनात्मक दृष्टि से पूरी तरह उपयोग नहीं हुआ है तथा यह एक दूसरे के बारे में सूचित ज्ञान के अभाव को दर्शाता है।

जब भारत ने 1992 में अपनी पूरब की ओर देखो नीति आरंभ की तथा आसियान के साथ अपनी साझेदारी में वृद्धि की तो इसकी वजह से फिलीपींस सहित इस क्षेत्र के देशों के साथ भी द्विपक्षीय रूप में और साथ ही एक क्षेत्रीय समूह के रूप में भी संबंध गहन हुए। तब से राजनीतिक - सुरक्षा, आर्थिक एवं जन दर जन संपर्क के क्षेत्रों में फिलीपींस के साथ संबंध गहन हुए हैं। फिलीपींस में हाल की घटनाओं को देखते हुए ऐसा प्रतीत होता है कि द्विपक्षीय संबंधों को और गहन करने का अवसर मौजूद है, जिसके तहत विदेश नीति, सुरक्षा, रक्षा, व्यापार, पर्यटन, जन दर संपर्क तथा संस्कृति से संबंधित मामलों पर परामर्श एवं सहयोग का एक व्यापक क्षेत्र शामिल है। इसके अलावा आसियान - भारत संबंधों के सुदृढ़ होने का द्विपक्षीय संबंधों पर सकारात्मक असर होगा, विशेष रूप से व्यापार एवं निवेश में वृद्धि पर दिए जा रहे जोर से।

राजनीतिक, सुरक्षा एवं रक्षा : हाल के वर्षों में विशेष रूप से आसियान - भारत शिखर बैठक स्तरीय साझेदारी के आरंभ होने तथा पूर्वी एशिया शिखर बैठक, जिसका भारत एक संस्थापक सदस्य है, की स्थापना के बाद से भारत और फिलीपींस के बीच उच्च स्तरीय यात्रा एवं बातचीत में कुछ तेजी आई है। इन वार्षिक शिखर बैठकों ने दोनों देशों के नेताओं के बीच नियमित बैठकों के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया है, तथा सबसे हाल की बैठक नाय पी ताव, म्यांमार में नवंबर 2015 में आयोजित शिखर बैठक थी जहां प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने फिलीपींस के राष्ट्रपति अकीनो के साथ द्विपक्षीय बैठक की। प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने आसियान - भारत शिखर बैठक तथा पूर्वी एशिया शिखर बैठक के लिए वर्ष 2007 में फिलीपींस का दौरा किया। फिलीपींस के उप राष्ट्रपति श्री जेजोमार सी बिनाय के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय शिष्टमंडल, जिसमें डी एफ ए के सचिव श्री डेल रोसारियो शामिल थे, ने नई दिल्ली में आसियान - भारत संस्मारक शिखर बैठक के लिए दिसंबर 2012 में भारत दौरा किया। प्रधानमंत्री मोदी तथा राष्ट्रपति अक्विनों ने भी नवंबर 2015 में क्वालालंपुर में आसियान शिखर बैठक में भाग लिया था, परंतु उनके बीच कोई द्विपक्षीय बैठक नहीं हुई थी।

1961 में फिलीपींस के उप राष्ट्रपति डायसोडाडो मैकपैगल तथा 1981 में भारतीय की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की यात्राओं के बाद 'पूरब की ओर देखो' नीति की वजह से उच्च स्तरीय संपर्कों की बारंबारता में वृद्धि हुई तथा राष्ट्रपति आर वेंकट रमन (1991) तथा अब्दुल कलाम (2006), कैबिनेट मंत्रियों तथा भारत के अन्य राजनीतिक हस्तियों ने फिलीपींस का दौरा किया। इसी तरह फिलीपींस से राष्ट्रपति फीडेल रमोस (1997) तथा ग्लोरिया अरोयो (2007), कैबिनेट मंत्रियों तथा उच्च स्तर की राजनीतिक हस्तियों ने भारत का दौरा किया है।

द्विपक्षीय सहयोग पर संयुक्त आयोग (जे सी बी सी), जो विदेश मंत्रियों के स्तर पर सर्वोच्च

औपचारिक वार्ता तंत्र है, की तीन बैठकें हो चुकी हैं तथा पिछली बैठक अक्टूबर 2015 में नई दिल्ली में हुई थी। फिलीपींस के विदेश विभाग में सचिव श्री अलबर्ट एफ डेल रोसारियो ने तीसरी जे सी बी सी के लिए 14 अक्टूबर 2015 को भारत का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान उन्होंने भारत के उप राष्ट्रपति से मुलाकात की तथा दूसरा नेहरू - रिजल व्याख्यान भी दिया। विदेश मंत्री श्री सलमान खुर्शीद ने दूसरी जे सी बी सी के लिए 21 से 23 अक्टूबर 2013 के दौरान मनीला का दौरा किया तथा विदेश विभाग के विदेश सेवा संस्थान में पहला रिजल - नेहरू संस्मारक व्याख्यान दिया। दोनों देशों के बीच विदेश कार्यालय परामर्श तथा सुरक्षा वार्ता बैठकें नियमित रूप से हो रही हैं तथा पिछली बैठक मार्च 2015 में मनीला में हुई थी।

फिलीपींस ने 2011 - 12 की अवधि के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की गैर स्थायी सदस्यता के लिए भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया तथा संयुक्त राष्ट्र एवं अन्य अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच नियमित रूप से परामर्श होता है। फिलीपींस के विदेश सेवा के अनेक अधिकारियों ने आसियान राजनयिक पाठ्यक्रम में भाग लिया है जिसका आयोजन भारत में विदेश सेवा संस्थान में होता है।

भारतीय नौसेना तथा तट रक्षक जलयान नियमित रूप से फिलीपींस का दौरा करते हैं तथा अपने समकक्षों के साथ राय मशविरा करते हैं। आई एन एस सह्याद्री ने 20 से 23 अगस्त 2014 और 1 से 4 नवंबर 2015 के दौरान मनीला का दौरा किया; आई सी जी एस समुद्र पहरेदार ने 19 से 22 सितंबर 2014 के दौरान मनीला का दौरा किया। पूर्वी बेड़े से 4 भारतीय जलयानों अर्थात आई एन एस शक्ति, आई एन एस सतपुड़ा, आई एन एस रंजीत एवं आई एन एस किर्च ने 12 से 16 जून 2013 के दौरान एक सद्भावना यात्रा पर मनीला का दौरा किया। एक दूसरे के देशों में विभिन्न विशिष्ट प्रशिक्षण पाठ्क्रमों में दोनों देशों के सशस्त्र बलों के अधिकारियों की भागीदारी में वृद्धि हुई है, ठीक उसी तरह जैसे कि राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज के प्रतिनिधियों द्वारा यात्राओं में वृद्धि हुई है, जिसमें फिलीपींस से भारत तक एन डी सी की अब तक पहली यात्रा शामिल है। भारत के रक्षा प्रबंधन कालेज से एक शिष्टमंडल ने 23 से 31 अक्टूबर 2015 के दौरान फिलीपींस का दौरा किया; भारत के से हाई कमांड पाठ्यक्रम से एक शिष्टमंडल ने 10 से 14 नवंबर 2014 के दौरान फिलीपींस का दौरा किया। इंटेलेक्स की बैठकों ने अनेक संवेदनशील मुद्दों पर सूचना को साझा करने एवं आदान प्रदान करने में योगदान दिया है; इंटेलेक्स की पिछली बैठक जनवरी 2015 में मनीला में हुई तथा इससे पूर्व फरवरी 2013 नई दिल्ली में हुई। रक्षा सहयोग को और सुदृढ़ करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए संयुक्त रक्षा सहयोग समिति का गठन किया गया तथा इसकी पहली बैठक मनीला में जनवरी 2012 में हुई।

भारत सरकार ने सुपर चक्रवात 'हैयान' जिसने 7 - 8 नवंबर 2013 को फिलीपींस पर हमला बोला, के पीड़ितों के लिए राहत सामग्री के साथ इंडियन एयर फोर्स की एक फ्लाइट भेजी। चक्रवात पब्लो / बोफा, जिसने दिसंबर 2012 में फिलीपींस के दक्षिणी हिस्सों पर हमला बोला था, के चलते जान माल एवं जीविका की दुखद क्षति के बाद भारत सरकार ने फिलीपींस सरकार को 200000 डालर की आपदा राहत सहायता तथा बोहोल में अक्टूबर 2013 में भूकंप आने के बाद आपदा राहत सहायता के रूप में 100,000 डालर की राशि प्रदान की।

व्यापार एवं वाणिज्य : आज की तिथि तक आर्थिक संबंध अपेक्षाकृत धीमे और असमान हैं। माल में भारत - आसियान एफ टी ए के प्रभाव के बावजूद भारत - फिलीपींस व्यापार अभी तक 2014-15 में 1.8 बिलियन डालर के आसपास ही अटका हुआ है। तथापि, इस साल फिलीपींस की अर्थव्यवस्था में थोड़ी मंद विकास दर के बावजूद अनेक विकास चालक दोतरफा व्यापार एवं निवेश में काफी एवं स्थायी वृद्धि का सुझाव देते हैं, जिसमें सेवाओं एवं निवेश में भारत - आसियान व्यापार करारों पर निर्णय होने से मदद मिली है। फिलीपींस अवसंरचना निर्माण की अनेक परियोजनाएं शुरू कर रहा है जिसके बारे में संभावना है कि भारतीय व्यवसाय

एवं उद्योग जगत की उनमें रुचि हो सकती है। एक स्थानीय कंपनी के साथ साझेदारी करके जी एम आर ने मैक्टन - सेबू इंटरनेशनल एयरपोर्ट के जीर्णोद्धार, जो 17.7 बिलियन पेसो की पुनर्निर्माण परियोजना है, का कार्य कर रहा है। इसके अलावा भारत में औषधि एवं फार्मा सेक्टर के साथ अधिक जीवंत साझेदारी के द्वार खुले हैं, विशेष रूप से सस्ती कीमतों पर कोटिपरक दवाएं उपलब्ध कराने के लिए जेनरिक्स के संबंध में। विशेष रूप से आई टी के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा की बजाय समानताओं की पहचान करने से तीसरे देश के हस्तक्षेप के लिए सहयोग में वृद्धि हो सकती है। फिलीपींस चैंबर ऑफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के अंतर्गत फिलीपींस - भारत व्यवसाय परिषद का भी पुनर्गठन किया जा रहा है ताकि यह अधिक प्रभावी हो सके और अवसरों का उपयोग कर सके।
विभिन्न संयुक्त कार्य समूहों (जे डब्ल्यू जी) का गठन किया गया है तथा उनकी बैठकों, विशेष रूप से व्यापार एवं निवेश, कृषि, स्वास्थ्य, पर्यटन एवं अक्षय उर्जा पर गठित संयुक्त कार्य समूह की बैठकों से दोनों देशों में सरकार एवं उद्योग जगत के बीच विकास एवं साझेदारी के नए क्षेत्रों की पहचान करने तथा व्यापार एवं निवेश में अधिक दोतरफा वृद्धि में योगदान करने की उम्मीद है। इसके अलावा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, रक्षा तथा अन्य क्षेत्रों पर विचार विमर्श से भी इन पर प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। नवीकरणीय ऊर्जा पर भारत - फिलीपींस संयुक्त कार्य समूह की पहली बैठक नई दिल्ली में 11 जुलाई 2013 को हुई।

आई टी ई सी : फिलीपींस आई टी ई सी एवं कोलंबो प्लान के तहत कार्यक्रमों के लाभार्थियों में से एक है। वर्ष 2014-15 के लिए आई टी ई सी के तहत 40 स्लाट तथा कोलंबो प्लान के तहत 15 स्लाट फिलीपींस को आवंटित किए गए हैं। हम रक्षा कार्मिकों के लिए भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करते हैं। अब तक इन स्कीमों के तहत फिलीपींस के करीब एक हजार नागरिक लाभान्वित हो चुके हैं, जिसके तहत व्यापक श्रेणी के तकनीकी पाठ्यक्रम जैसे कि ग्रामीण विकास, कृषि, नवीकरणीय ऊर्जा, लघु उद्योग, बैंकिंग, वित्त एवं प्रबंधन, गुणवत्ता नियंत्रण एवं विपणन, आयोजना एवं लोक प्रशासन, कपड़ा, संसदीय अध्ययन एवं विधायी प्रथाएं, कंप्यूटर साफ्टवेयर, जल संसाधन प्रबंधन, रक्षा आदि शामिल हैं।

संस्कृति : दोनों देशों के बीच एक सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम है तथा 2016-18 के लिए सांस्कृतिक विनिमय पर कार्यपालक कार्यक्रम पर अक्टूबर 2015 में दोनों पक्षों के बीच हस्ताक्षर किए गए। सुश्री नंदिनी घोषाल के नेतृत्व में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आई सी सी आर) द्वारा प्रायोजित एक 6 सदस्यीय ओडिशी नृत्य मंडली ने जून 2015 में फिलीपींस का दौरा किया तथा 27 जून 2015 को एशिया प्रशांत कालेज, मकाटी में और 28 जून 2015 को दवाओ मेडिकल स्कूल फाउंडेशन के आडिटोरियम में अपनी कला का प्रदर्शन किया; एक 5 सदस्यीय म्यूजिकल ट्रुप क्रासविंड्ज ने 19 से 22 नवंबर 2015 के दौरान फिलीपींस का दौरा किया तथा मनीला में अपनी कला का प्रदर्शन किया। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आई सी सी आर) द्वारा प्रायोजित एक 5 सदस्यीय ग्रुप, जिसमें विख्यात ध्रुपद गायक, गुंडेचा ब्रदर्स शामिल थे, ने 29 सितंबर से 2 अक्टूबर 2013 के दौरान फिलीपींस का दौरा किया। फिलीपींस के राष्ट्रीय संस्कृति एवं कला आयोग (एन सी सी ए) से एक 8 सदस्यीय सांस्कृतिक मंडली रोंडाला एनसेंबल ने इंडिया इंटरनेशनल सेंटर द्वारा नई दिल्ली में आयोजित आई आई सी एक्सपेंरीयंस के ग्रैंड फिनाले में 17 - 24 अक्टूबर 2013 के दौरान भाग लिया। फिलीपींस विश्वविद्यालय ने फरवरी - मार्च 2014 में अपने थिएटर में भारतीय महाकाव्य महाभारत के संगीतमय रूपांतरण का मंचन किया तथा इसकी सफलता से उत्साहित होकर जुलाई 2014 में भी इसका मंचन किया गया।

हम मनीला तथा फिलीपींस के अन्य भागों में, विशेष रूप से फिलीपींस में रहने वाले तकरीबन 70,000 भारतीय समुदाय के साथ नियमित आधार पर भारतीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।

हमारे स्थानीय भारतीय क्लब भी हैं जो फिलीपींस में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन करते हैं, जिसमें मार्च 2014 में शशांक द्वारा बांसुरी वादन समारोह तथा अक्टूबर 2014 में गायक अश्वनी भिड़े देशपांडे का कार्यक्रम शामिल हैं।

फिलीपींस भारतीय छात्रों के लिए पढ़ाई के डेस्टिनेशन के रूप में भी उभरने लगा है। फिलीपींस के विभिन्न विश्वविद्यालयों में 4000 से अधिक भारतीय छात्र चिकित्सा पाठ्यक्रमों की पढ़ाई कर रहे हैं। इस समय मनीला के प्रतिष्ठित एशियाई प्रबंधन संस्थान में 50 प्रतिशत छात्र भारत के हैं। फ्लाइंग स्कूल भी आकर्षण का केन्द्र बनते जा रहे हैं क्योंकि इनमें पढ़ाई अंग्रेजी में होती है तथा छात्रों को स्थानीय भाषा सीखने की जरूरत नहीं पड़ती है। फिलीपींस के अनेक विश्वविद्यालयों, जैसे कि सैंटो टोमस विश्वविद्यालय, फिलीपींस विश्वविद्यालय, विसायस विश्वविद्यालय, एडमसन विश्वविद्यालय, मिंडानाओ विश्वविद्यालय तथा अन्य विश्वविद्यालयों ने अपने अपने प्रतिष्ठित पुस्तकालयों में विशेष 'इंडिया चैप्टर' खोला है, जहां भारत पर पुस्तकों (विदेश मंत्रालय के लोक राजनय प्रभाग के माध्यम से दान में दी गई) का संग्रह होता है। सैंटो टोमस विश्वविद्यालय में मदर टेरेसा की एक आवक्ष प्रतिमा लगाई गई है, जिसे भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद द्वारा उपहार में दिया गया है।

भारत और फिलीपींस के बीच जन दर सहयोग को और गहन करने के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए जा रहे हैं। आसियान - भारत शीर्षक के तहत फिलीपींस के पत्रकारों ने नियमित रूप से भारत का दौरा किया है, इस तरह का नवीनतम दौरा अगस्त में हुआ जब भारत के पत्रकारों ने फिलीपींस का दौरा किया तथा मार्च 2015 में हुआ जब फिलीपींस के पत्रकारों ने भारत का दौरा किया। इसके अलावा आसियान - भारत छात्र विनिमय कार्यक्रम के तहत हर साल फिलीपींस के 17 - 28 साल के 25 छात्र भारत के दौरे पर आते हैं, इस तरह का नवीनतम दौरा नवंबर 2015 में हुआ; तथा राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में भाग लेने के लिए तीन स्कूली बच्चों ने भारत का दौरा किया। भारत के केन्द्रीय सूचना आयुक्त श्री यशोवर्धन आजाद ने आसियान - भारत प्रख्यात व्यक्ति व्याख्यान माला के तहत एक और दिसंबर 2014 को फिलीपींस में व्याख्यान दिया तथा फिलीपींस के विदेश विभाग में अवर सचिव (नीति) श्री एवान पी गार्सिया ने इसी कार्यक्रम के तहत 15 से 17 जुलाई 2015 के दौरान भारत का दौरा किया। इसके अलावा संसद सदस्यों, थिंक टैंक, किसानों, राजनयिकों आदि के बीच नियमित रूप से बातचीत होती है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, मनीला की वेबसाइट :
http://www.indembassymanila.in
भारतीय दूतावास, मनीला का फेसबुक पेज : https://www.facebook.com/IndiaInPhilippines

***

जनवरी, 2016